Deg-1
HIST(H) P-I

मुहम्मद गोरी के चरित्र एवं कार्यों का मूल्यांकन :—

मुसलमान इतिहासकारों ने मुहम्मद गोरी को बुद्धिमान, दूरदर्शी एवं योग्य शासक के रूप में सदैव प्रजा के कल्याण का ख्याल रखने वाला शासक बताया है। मुहम्मद गोरी को अपने परिवार के प्रति अत्यधिक प्रेम था। उसने अपने बड़े भाई ग्यासुद्दीन के जीवन पर्यन्त आदर की दृष्टि से देखा और सैनिक अभियान या शासन प्रबन्ध जैसे विषयों में कभी बड़े भाई के विचार की अपेक्षा नहीं की। मुहम्मद गोरी इसका अपवाद था। उसने अपने अग्रज के प्रति कभी विश्वासघात नहीं किया और न कभी स्वतंत्र बनने की चेष्टा की। बड़े भाई के मृत्यु के बाद ही वह गौर वंश का शासक नियुक्त हुआ था।

मुहम्मद गोरी व्यक्ति की परख रखता था। वह साहसी वीर, परिश्रमी एवं दृढ़ प्रतिज्ञ व्यक्ति था। वह पराजय से हतोत्साहित नहीं होता था। पृथ्वीराज तृतीय के विरुद्ध उसने दृढ़ निश्चय के साथ एवं पूरी तैयारी कर पहले के अपमान का बदला ले लिया और अजमेर की स्वाधीनता को चूल में मिला दिया।

मुहम्मद गोरी न्यायप्रिय एवं धार्मिक शासक था। धन और धर्म की प्रधानता देने के बदले उसने साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा की पूर्ति को अधिक श्रेष्ठता

P.T.O

Scanned with CamScanner

प्रदान की और भारत में तुर्क साम्राज्य की स्थापना की। महमूद गजनवी ने धन और धर्म के लोभ में पड़कर साम्राज्य-निर्माण के तथ्य की उपेक्षा कर दी थी। परन्तु मुहम्मद गोरी ने भारत में स्थायी साम्राज्य की नींव डाली और गजनी के रहते हुए भी भारतीय तुर्की साम्राज्य के प्रचार-प्रसार में भरा-पूरा सहयोग दिया। इस दृष्टि से मुहम्मद गोरी एक दूरदर्शी एवं कुशल राजनीतिज्ञ था।

मुहम्मद गोरी कला और साहित्य का प्रेमी था। वह फखरुद्दीन तथा निजामी जैसे विद्वानों का आश्रयदाता था। मुहम्मद गोरी ने भारत में जिस तुर्क साम्राज्य की नींव डाली, वह आनेवाले वर्षों में अधिकाधिक प्रगति की ओर अग्रसर होता गया और तुर्क साम्राज्य की जड़ गहरी होती गयी।

Scanned with CamScanner